गंगा नदी में रिवर क्रूज पर्यटन हेतु भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आइडब्ल्यूएआइ) और बिहार पर्यटन विभाग के बीच समझौता

चर्चा में क्यों?

24 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में गंगा नदी में रिवर क्रूज़ पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और बिहार पर्यटन विभाग के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुये हैं। इसके तहत 300-300 पर्यटकों की क्षमता वाले रो पैक्स वैसेल नाम के दो जलयान पटना और भागलपुर में चलेंगे।

प्रमुख बिंदु

- पर्यटन निदेशालय सभागार में हुए एक कार्यक्रम में इस एमओयू पर पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह की उपस्थिति में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निदेशक के. एल. रजक ने हस्ताक्षर किये।
- एमओयू के अनुसार इस जलयान (रो पैक्स वैसेल) पर पर्यटक परिभ्रमण, मांगलिक कार्यक्रमों और सामाजिक समारोह के साथ अन्य मीटिंग्स आदि के भी आयोजन किये जा सकेंगे।
- पटना में जनार्दन घाट, दीघा, पटना से कंगन घाट, पटना सिटी के बीच पहला और भागलपुर के कहलगांव, सुल्तानगंज, बटेश्वर स्थान होते हुए विक्रमशिला के डॉल्फिन सेंचुरी के बीच दूसरा जलयान संचालित होगा।
- पटना और भागलपुर में प्रत्येक 300-300 पर्यटकों की क्षमता वाले कुल दो जलयान (रो पैक्स वैसेल) का परिचालन किया जाएगा। यह जलयान करीब 15 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से पटना और भागलपुर के गंगा घाटों की सैर कराएगा।
- इस जलयान से सैर करते हुए पर्यटक कई पर्यटन स्थलों को भी देख सकेंगे। जैसे पटना के कंगन घाट से होते हुए पर्यटक श्री हरमिंदिर साहिब गुरुद्वारा दर्शन के लिये जा सकेंगे। वहीं भागलपुर में पर्यटक गंगा घाटों की सैर करते हुए डॉल्फिन सेंचुरी का भी भ्रमण कर सकेंगे। दो सप्ताह के भीतर रो-पैक्स वैसेल, पटना और भागलपुर पहुँच जाएंगे।
- आईडब्ल्यूएआई के निदेशक ने बताया कि एमओयू के दो सप्ताह के भीतर पटना और भागलपुर में रो-पैक्स वैसेल पहुँच जाएंगे। इसके बाद इसका संचालन शुरू किया जा सकेगा।
- बीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक ने बताया कि दोनों क्रूज के संचालन के लिये निविदा की प्रक्रिया चल रही है। सभी औपचारिक प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करके पर्यटन के दृष्टिकोण से क्रूज का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agreement-between-iwai-bihar-tourism-department-for-ganga-river-cruise-tourism